PROGRAMME PROJECT REPORT

कार्यक्रम परियोजना विवरण

PG Diploma in Guidance and Counselling

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA

School of Education

PG Diploma in Guidance and Counselling

THE UNIVERSITY

Vardhman Mahaveer Open University, Kota (earlier Kota Open University, Kota) was established by an Act of the Rajasthan State Legislative Assembly in 1987 with a view to achieve the following objectives:

- Democratizing higher education by taking education to the doorsteps of students.
- Providing access to quality education to all those who seek it, irrespective of age or formal qualification.
- Offering need based academic programmes by giving professional and vocational orientation to the courses.
- Promoting and developing distance education in the State of Rajasthan.

Special Features of the Open and Distance Education System:

- Relaxed entry requirements.
- Provision of equal opportunities of admission to people from all walks of life.
- Provision of learning at one's own pace, place and time.
- Cost effective educational operations.
- Self instructional printed course material.
- Network of students support services throughout the State of Rajasthan.
- Face to face and distance counselling wherever and whenever needed.
- Continuous evaluation through internal home assignments.
- Provision of term-end examinations.

Academic Programmes

The University offers both short term and long term programmes leading to Certificate, Diploma or Degree covering conventional as well as innovative programmes. These programmes have been developed by VMOU. They are launched with a view to fulfil the student needs for :

- Improvement of skills.
- Acquisition of professional qualifications.
- Continuing education and professional development at work place.
- Self-enrichment.

- Diversification of knowledge etc.

Credit System

The University follows the Credit System for its programmes. Each credit amounts to 30 hours of study containing all learning activities. All Guidance and Counselling courses are of six credit courses. Thus, a six credit course involves 180 hours of study. Completion of an academic programme requires successful clearing of both the home assignments, Practical exam and the term end examinations of a programme.

Programme Project Report – PPR

Name of the School: School of Education

Name of the Programme: PG Diploma Guidance and Counselling

S.N.	Parameter	Details
1	Programme's mission & objectives	• विद्यार्थियों को परामर्श देने हेतु प्रशिक्षित करना। • विद्यार्थियों को निर्देशन प्रदान करने हेतु प्रशिक्षित करना। • विद्यार्थियों को परामर्श एवं निर्देशन के महत्व के प्रति जागरूक करना। • विद्यार्थियों को काउन्सलर (परामर्शदाता) बनने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना।
2	Relevance of the program with VMOU's Mission and Goals	As per the VMOU's Mission i.e. To promote educational opportunities in Guidance and Counselling courses with academic excellence. It strives for inclusive growth of relevance society through innovative pedagogy.
3	Nature of prospective target group of learners	Any graduate with minimum 3 years degree and with an aptitude to acquire and impart knowledge and skills in Guidance and Counselling courses to target groups from all socioeconomic strata of society.
4	Appropriateness of programme to be conducted in Open and Distance Learning mode to acquire specific skills and	Requirement of well-trained & qualified Counsellors who can impart knowledge and skills of Guidance and Counselling to target groups from socioeconomic strata. To fulfill these needs, VMOU as state open university of Rajasthan, plays important role by providing • Quite relaxed entry rules for admissions and equal opportunity of admission to all • Flexible and cost effective education to enhance their productivity skills while continuing regular employment.

	competence	
5	Instructional Design	**Programme Structure:** There will be total 5 courses in Guidance and Counselling courses. Study material will be provided in Hindi Medium only.

क्र. सं. (S.No.)	**पाठ्यक्रम का नाम** (Name of Course)	**पाठ्यक्रम कोड** (Course Code)	**श्रेयांक** (Credit)
1.	निर्देशन: व्यापक परिप्रेक्ष्य Guidance: Global Perspective	PGDGC-01	6
2.	परामर्श: व्यापक परिप्रेक्ष्य Counselling: Global Perspective	PGDGC-02	6
3.	परामर्श के विविध आयाम Counselling in different setting	PGDGC-03	6
4.	निर्देशन एवं परामर्श : मनोवैज्ञानिक आधार Guidance and Counselling: Psychological Bases	PGDGC-04	6
5.	प्रोजेक्ट Project	PGDGC -05	6

अध्ययन पद्धति (Study Pattern)

इस विश्वविद्यालय में शिक्षण पद्धति पारंपरिक विश्वविद्यालयों द्वारा अपनाई जा रही कक्षा अध्ययन पद्धति से भिन्न है। खुला विश्वविद्यालय की शिक्षा पद्धति स्व -अधिगम पर आधारित है। यह एक अध्येता-केन्द्रित पद्धति (Learner Centred) है। इस कारण इस पद्धति में विद्यार्थियों पर सक्रिय अध्ययन का उत्तरदायित्व अधिक होता है। इस बहुआयामी मुक्त शिक्षण-अध्ययन पद्धति में निम्नलिखित तत्त्व सम्मिलित हैं:-

- भारत एवं विश्व के विश्वविद्यालयों के योग्यतम शिक्षकों द्वारा तैयार की गई उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्य सामग्री प्रत्येक प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी को प्रदान की जाती है।
- स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि एवं कुछ अन्य चयनित कार्यक्रमों में सतत् मूल्यांकन की दृष्टि से सत्रीय/आन्तरिक गृह कार्य की व्यवस्था। इससे विद्यार्थियों को निरन्तर अध्ययनरत और अभ्यासरत रहने की प्रेरणा मिलती है ।
- दृश्य-श्रव्य माध्यमों द्वारा योग्यतम विद्वानों के व्याख्यान एवं विचार।
- अध्ययन केन्द्रों पर अकादमिक परामर्शदाताओं के साथ सप्ताहांत विचार विमर्श की कक्षायें।
- फोन-इन-रेडियो और काउंसलिंग माध्यम द्वारा उत्तम गुणवत्ता के परामर्श-सत्र ।
- समय समय पर आयोजित छात्र समस्या समाधान शिविर द्वारा विद्यार्थी एवं शिक्षक में संवाद ।
- विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा सत्र पर्यन्त शंका समाधान शिविर का आयोजन |
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड विभिन्न विषयों के प्रश्न बैंक के माध्यम से स्वयं परीक्षा हेतु अभ्यासरत रहने का प्रयास।
- एस० एल० एम० (SLM) प्रारूप में प्राप्त पाठ्यसामग्री के साथ साथ विश्वविद्यालय की वेबसाइट

पर उपलब्ध पाठ्यसामग्री का डिजिटलाइज्ड रूप और वीडियो व्याख्यान की सुविधा भी विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर स्टूडेंट वन व्यू (Student one view) में उपलब्ध। https://online.vmou.ac.in/Admission_Statusway.aspx

स्व-अध्ययन सामग्री (Self Learning Material): विश्वविद्यालय में पंजीकृत विद्यार्थियों को त्वरित रूप से मुद्रित स्व-अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को विभिन्न इकाइयों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक इकाई के प्रारम्भ में इकाई की रूपरेखा दी गयी है जिसमें इकाई के उद्देश्य एवं प्रस्तावना के अतिरिक्त सम्पूर्ण जानकारी छोटे-छोटे एवं शीघ्र समझ में आ सकने वाले अनुच्छेदों में है। इसमें जगह-जगह पर स्वगृह कार्य प्रश्न एवं निर्धारित स्थान पर अभ्यास प्रश्न भी दिये गये हैं , जिससे विद्यार्थी अपनी प्रगति को स्वयं जाँच सकता है। प्रत्येक इकाई के अंत में सारांश , शब्दावली एवं कुछ उपयोगी पुस्तकों की सूची भी दी जाती है। वर्तमान में अध्ययन सामग्री का डिजिटाइजेशन कर ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जा रहा है तथा समस्त विषयों से सम्बद्ध वीडियो व्याख्यान (Video Lecture) तैयार करवाये गये है जो विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vmou.ac.in एवं उसके यू टयूब चैनल vmouonline पर उपलब्ध है।

अकादमिक कालदर्शिका (Academic Calender)		
गतिविधियां	**प्रवेश सत्र- जुलाई**	**प्रवेश सत्र- जनवरी**
प्रवेश प्रारम्भ की तिथि	1 जुलाई से 31 अगस्त	1 जनवरी से 28/29 फरवरी
क्षेत्रीय केंद्र एवं अध्ययन केंद्र परिवर्तन की अंतिम तिथि	प्रवेश की अंतिम तिथि से 30 दिनों में	
पाठ्य सामग्री प्रेषण की अंतिम तिथि	15 अक्टूबर	15 अप्रैल
विद्यार्थियों का आमुखीकरण	अक्टूबर माह में	अप्रैल माह में
परामर्श /शिक्षण कक्षाएं *	15 अक्टूबर से 30 अप्रैल	15 अप्रैल से 31अक्टूबर
प्रायोगिक परीक्षाएँ *	16 अप्रैल से 30 मई तक	16 अक्टूबर से 20 दिसम्बर तक
आंतरिक गृह कार्य/ प्रोजेक्ट जमा करवाने की तिथि	15 मई तक (जिन्हें जून परीक्षा में सम्मिलित होना हैं)	15 नवम्बर तक (जिन्हें दिसंबर परीक्षा में सम्मिलित होना हैं)
सैद्धान्तिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन (केवल ऑनलाइन)प्रस्तुत करने की तिथि	1 अप्रैल से 30 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)	1अक्टूबर से 31 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)

		प्रायोगिक परीक्षा का केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन (केवल ऑनलाइन)प्रस्तुत करने की तिथि *	1 अप्रैल से 15 अप्रैल (जून परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)	1अक्टूबर से 15 अक्टूबर (दिसम्बर परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थी)
		वेबसाइट पर परीक्षा अनुमति पत्र जारी करने की तिथि	25 मई	15 दिसम्बर
		परीक्षा प्रारंभ होने की तिथि	1 जून	21 दिसम्बर
		वेबसाइट पर परिणाम घोषित करने की तिथि	परीक्षा समाप्त होने के पश्चात् लगभग 60 कार्य दिवसों के भीतर	
		अंकतालिका प्रेषित करने की तिथि	परीक्षा परिणाम जारी होने के पश्चात् लगभग 20 के भीतर	
		पुनर्मूल्यांकन के आवेदन (केवल ऑनलाइन) की तिथि	परीक्षा परिणाम घोषित होने के पश्चात् 15 दिन के भीतर	
		उपाधि प्रेषण	प्रशासनिक निर्णय के अनुसार	
		परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स (केवल ऑनलाइन) एवं श्रेणी सुधार (केवल ऑफलाइन)	1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक	1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक
		परीक्षा फार्म भरने की तिथि डिफाल्टर्स प्रायोगिक परीक्षा के लिये (केवल ऑनलाइन)*	1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक	1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक

6	Procedure for admissions, curriculum transaction and evaluation	The university invites applications online in July and January sessions every year. Admissions are usually completed between July 1 to August 31 for July session and January 1 to February 28/29 for January session as per guidelines received from UGC. In both sessions the university issues press releases in major newspapers of Rajasthan state. For online admission, the student can apply through e-Mitra or on the university's website www.vmou.ac.in itself. For admission of all subjects or complete information regarding programs is available in prospectus on university website www.vmou.ac.in. **Eligibility:** Any graduate from a recognized university/institute with minimum 3 years degree **Fee Structure:**

Prog Code	Programme	Total Fee	Course Fee	Reg. Fee	Development Fee	Theory Exam Fee	Postal Charges

PGDGC	Post Graduate Diploma in Guidance and Counselling	4100	2300	100	100	1500	100

Evaluation and Examination Pattern:

नोट : PGDGC -05 हेतु विद्यार्थी प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा करेगा। प्रोजेक्ट रिपोर्ट (PGDGC -05) के प्रारूप हेतु विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट के **स्टूडेंट वनव्यू** में जाकर डाउनलोड करेगा। प्रोजेक्ट रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में एवं हस्तलिखित या टंकित रूप में जमा करेगा। PGDGC—05 हेतु कोई भी सामग्री विश्वविद्यालय द्वारा डाक द्वारा उपलब्ध नहीं करवाया जायेगा। प्रोजेक्ट कार्य के अंतर्गत विद्यार्थियों को दो लोगों (गाइडलाइन अनुसार) का केस स्टडी करना होगा जिसमें उनके व्यक्तित्व के शील गुण का आकलन करते हुए उनके व्यक्तिगत समस्याओं को पता लगाकर समस्या समाधान हेतु सुझाव देना होगा। प्रोजेक्ट कार्य का उत्तीर्णांक 36% होगा।

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में (PGDGC-05) को छोडकर तीन घंटे की लिखित परीक्षा आयोजित होगी। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक विषय में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

The marks obtained in internal/home assignment and term end examination shall be shown separately in the marksheet. The successful candidate shall be classified as per the following table-

First Division - 60% and above

Second Division - 48% and above but below 60%

Pass - 36% and above but below 48%

The marks obtained in internal/home assignment and term end examination shall be shown separately in the marksheet.

Letter Grade Chart for Calculating CGPA/YGPA

लेटर ग्रेड Letter Grade		ग्रेड प्वाइंट Grade Point	समग्र समतुल्य अंक M (100 अंकों में से) Equivalent overall Marks M (out of hundred)
O	Outstanding	10	90≤M≤100
A+	Excellent	9	80≤ M<90
A	Very Good	8	70≤M<80
B+	Good	7	60≤ M<70
B	Above Average	6	55≤M<60

			C+	Average	5.5	50≤M<55
			C	Below Average	5	45≤M<50
			D^+	Marginal	4.5	40≤M<45
			D	Pass	4	36≤ M<40
			NC	Not Completed	0	25≤M<36
			E	Poor	0	10≤M<25
			H	Very Poor	0	0≤M<10

यदि विद्यार्थी NC, E, H ग्रेड प्राप्त करता है तो उसे NC (Not Completed) माना जायेगा तथा उसे पुन: परीक्षा देनी होगी।

निम्निलिखित प्रकार से विद्यार्थी का वार्षिक ग्रेड प्वाइंट औसत (Yearly Grade Point Average (YGPA)) तथा संचयी ग्रेड प्वाकइंट औसत (Cumulative Grade Point Average (CGPA)) की गणना की जायेगी।

YGPA हेतु विद्यार्थी द्वारा प्राप्त ग्रेड प्वातइंट को उस विषय के क्रेडिट अंक से गुणा करके योग को कुल ग्रेड प्वातइंट से भाग देने पर प्राप्तत होगा अर्थात्YGPA = $\sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$ जहां पर C_i क्रेडिट अंक हैं तथा G_i उस विषय में विद्यार्थी द्वारा प्राप्त् ग्रेड प्वा∑इंट है।

10 Point स्केल पर CGPA की गणना निम्नव सूत्र द्वारा की जायेगी

$$CGPA = \frac{\text{Cumulative points secured in all passed courses}}{\text{Cumulative earned credits}} = \sum(C_i \times G_i) / \sum C_i$$

YGPA तथा CGPA की गणना दशमलव के बाद दो अंकों तक की जायेगी।

7	Requirement of the laboratory support Requirement of the Library Resources	Laboratory support should be available at university HQ and at Learner Support Centres at which the programmes are being run **Provision of Reference book:** The Institution provides the provision of reference book to students who want to get extra knowledge on a particular subject. Guidance by Course coordinator through email Counselling Classes: The Regional centre of VMOU conducts counselling classes at the end of the year to help students interact with the faculty and get their queries and doubts resolved
8	Cost estimate of the programme and the provisions	Cost of preparation of self learning material (SLM), printing and supply, delivery through Counselling and conducting of examination and evaluation through full proof mechanized system is followed as per laid down guidelines of the university. The cost is incurred as per guidelines approved by statutory bodies of the university for curriculum design, course preparation, printing, postal dispatch, counselling sessions evolution and examination along with certification of the degree

9	Quality assurance mechanism and expected programme outcomes	Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) is monitoring, improving and enhancing effectiveness of the program through the following: • Annual academic audit • Feedback analysis for quality improvement • Regular faculty development programs • Standardization of learning resources • Periodic revision of program depending upon the changing Trends in Psychology